卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 113 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦28 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का निधन

बारामती (उद संवाददाता)। महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह एक दर्दनाक विमान हादसे में निधन हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब मुंबई से बारामती आ रहा उनका निजी चार्टर विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हृदयविदारक घटना में अजित पवार के साथ सवार उनके पीएसओ, एक अटेंडेंट और दो क्रू सदस्यों सहित कुल पांच लोगों की जान चली गई है। डीजीसीए ने पुष्टि की है कि विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा है। मिली जानकारी के अनुसार, अजित पवार जिला परिषद चुनावों के सिलसिले में बुधवार सुबह बारामती आ रहे थे। सुबह करीब 8:45 बजे जब

विमान बारामती एयरपोर्ट पर उतरने का प्रयास कर रहा था, तभी वह अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। चश्मदीदों के मुताबिक, विमान नीचे आते समय अचानक क्रैश हुआ और उसमें एक के बाद एक कई भीषण धमाके हुए। धमाकों के साथ ही विमान में भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि किसी को बचाया नहीं जा सका। घटनास्थल का दृश्य अत्यंत भयावह था और पूरा विमान मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। इस बड़ी त्रासदी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। दोनों शीर्ष नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर संपर्क कर घटना की विस्तृत जानकारी ली और इस दुखद घड़ी में राज्य को ढांढस बंधाया। मंगलवार को ही अजित पवार मुंबई में कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए थे, जिसके बाद उनका इस तरह अचानक चले जाना पूरे देश के लिए स्तब्ध करने वाला है। अजित पवार का राजनीतिक सफर बेहद प्रभावशाली रहा। वह महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उपमुख्यमंत्री थे, जिन्होंने छह बार इस (शेष पृष्ठ 7पर)

देवभूमि की रक्षा हेट स्पीच है तो लाख बार बोलूंगा: धामी

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सनातन धर्म और देवभूमि के स्वरूप को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए

विरोधियों को कड़ा जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान और देवत्व की रक्षा के लिए बोलना 'हेट स्पीच' की श्रेणी में आता है, तो वे ऐसी बातें लाख बार बोलेंगे। उन्होंने साफ किया कि राज्य के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा और बनाई गई नीतियों को सख्ती से धरातल पर उतारा जाएगा। मीडिया कर्मियों से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने एक अमेरिकी एनजीओ की उस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उनके बयानों को हेट स्पीच के दायरे में रखा गया था। उन्होंने तीखे तेवरों में कहा कि सनातन की रक्षा और देवभूमि की सांस्कृतिक गरिमा को अक्षुण्ण रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने (शेष पृष्ठ 7पर)

कैबिनेट की बैठक में आठ प्रस्तावों पर लगी मुहर

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत में कैबिनेट ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में हुए आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अजित पवार को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के

लिए सदैव संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। शोक व्यक्त करने के उपरांत कैबिनेट ने प्रदेश हित से जुड़े आठ मुख्य प्रस्तावों पर चर्चा की और उन्हें मंजूरी दी। ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'उत्तराखंड हाइड्रोजन नीति 2026' को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा और इस पर मिलने वाली सब्सिडी का निर्धारण मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति करेगी। स्वास्थ्य (शेष पृष्ठ सात पर)

दुष्कर्म कांड के दोनों आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

रुद्रपुर। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के सख्त निर्देश और ट्रांजिट कैंप पुलिस की तत्परता से सिडकुल ड्यूटी पर जा रही युवती के साथ हुए दुष्कर्म कांड का पर्दाफाश हो गया है। पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी समेत उसके साथी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में प्रयुक्त हुण्डई औरा

कार को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है, जिसकी फॉरेंसिक टीम ने गहनता से जांच की है। घटनाक्रम के अनुसार, 25 जनवरी की सुबह आवास विकास निवासी पीड़िता अपनी कंपनी में ड्यूटी के लिए सिडकुल जा रही थी। शिव मंदिर के पास काफी देर तक वाहन न मिलने पर वह पैदल ही अटरिया रोड की ओर बढ़ रही थी। इसी बीच कार संख्या यूके06टीए 8429 में सवार दो युवकों ने उसे सिडकुल छोड़ने का झांसा देकर गाड़ी में बैठा लिया। आरोप है कि दोनों (शेष पृष्ठ 7पर)

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में काम करने के लिए युवक युवतियों एवं ड्राईवर की

-:संपर्क करें:-
8433432291

गोली काण्ड में जिला पंचायत उपाध्यक्ष के भाई समेत दो गंभीर

हरिद्वार (उद संवाददाता)। कनखल थाना क्षेत्र के पंजनहेड़ी गांव में बुधवार सुबह सरकारी जमीन के विवाद को लेकर जबरदस्त खून-खराबा हुआ। प्रशासनिक टीम

की मौजूदगी में ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए, जिसके बाद हुई फायरिंग में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान के भाई सचिन चौहान समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दुस्साहसिक वारदात से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें ऋषिकेश एम्स रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासन की टीम पंजनहेड़ी गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की (शेष पृष्ठ सात पर)

प्राण चाहिए तो ले लो पर मुझे बख्श दो: ठुकराल

मां की ममता का वास्ता: तिल-तिल मरती मां को देख टूटे पूर्व विधायक

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऑडियो प्रकरण में मीना शर्मा की तहरीर पर

मुकदमा दर्ज होने के बाद पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल का दर्द और आक्रोश बुधवार को मीडिया के सामने छलक पड़ा। अपने आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में ठुकराल ने जहां एक ओर हाथ जोड़कर मीना शर्मा से सार्वजनिक माफी मांगी, वहीं दूसरी ओर इस पूरी कार्रवाई को एक सुनियोजित राजनैतिक साजिश करार देते हुए पर्दे के पीछे बैठे विरोधियों पर तीखे प्रहार किए। ठुकराल ने बेहद भावुक होते हुए कहा कि इस राजनैतिक (शेष पृष्ठ सात पर)

ठुकराल का गनर हटाया गया

रूद्रपुर। ऑडियो क्लीपिंग का जिन्न बाहर आने के बाद पूर्व विधायक ठुकराल के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के साथ ही अब ठुकराल का गनर भी हटा दिया गया है। बता दें करीब एक वर्ष पूर्व ठुकराल के खिलाफ कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा ने तहरीर दी थी जिसमें उन्होंने ठुकराल पर अमर्यादित टिप्पणी का आरोप लगाया था। यह ऑडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। करीब एक साल बाद ठुकराल के कांग्रेस में शामिल होने की (शेष पृष्ठ सात पर)

'औद्योगिक जहर' के सहारे वन भूमि पर 'अतिक्रमण की तैयारी'

टांडा रेंज में खुले में फेंका जा रहा है जहरीला एवं हानिकारक औद्योगिक कचरा,खत्म हो रही मिट्टी की उर्वरता

-अर्श-

रुद्रपुर/लालकुआं। उत्तराखंड को देश के औद्योगिक मानचित्र में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए जब राज्य के कुछ इलाकों में सिडकुल की स्थापना कर ,प्रदेश में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया गया था ,तो औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले जहरीले एवं हानिकारक कचरे के निस्तारण के बेहद सख्त नियम तय किए गए थे। रुद्रपुर स्थित सिडकुल एवं आसपास स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों ने आरंभ में तो औद्योगिक कचरे के निस्तारण में तय नियमों का पालन किया, लेकिन समय के साथ साथ जहरीले एवं हानिकारक औद्योगिक कचरे के निस्तारण में लापरवाही बरती जाने लगी। यह लापरवाही इन दिनों कुछ इस कदर बढ़ चुकी है कि औद्योगिक इकाइयों का जहरीला कचरा तो खुले में बिखरे ही जा रहा है, साथ ही साथ उपरोक्त जहरीला एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद हानिकारक औद्योगिक कचरा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एवं मकान निर्माण के समय पटान के लिए भी उपयोग में

लाया जा रहा है। बताना होगा कि औद्योगिक इकाइयों से निकले रसायन युक्त जहरीले कचरे को खुले में फेंक देने से, फेंकी गई जमीन एवं उसके आसपास की उपजाऊ भूमि की उर्वरता तो नष्ट होती ही है, साथ ही साथ उक्त जहरीला कचरा हवा एवं पानी के जरिए मनुष्य एवं अन्य प्राणियों तथा जीव जंतुओं के फेफड़े तक भी पहुंचता है, जिससे कैंसर एवं सांस संबंधी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उर्वर जमीन को बंजर करने एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं को उत्पन्न करने का ऐसा ही एक लापरवाही पूर्ण कृत्य आजकल तराई केन्द्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर के टांडा रेंज में बेखौफ अंजाम दिया जा रहा है। हासिल जानकारी के अनुसार तराई केन्द्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर के टांडा रेंज स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में खाली पड़ी वन भूमि पर सेंचुरी पेपर मिल की केमिकल युक्त 'जहरीली स्लज' (कचरा) खुलेआम डाली जा रही है। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त वन भूमि लालकुआँ शहर से महज 100 मीटर दूर और नेशनल हाईवे 109 के किनारे स्थित है। इसलिए उपरोक्त वन भूमि पर भू माफियाओं की नजर गड़ी हुई है और वे येन केन प्रकारेन उक्त वन भूमि को खुर्द बुर्द करना चाहते (शेष पृष्ठ सात पर)

यूसीसी कानून उत्तराखंड राज्य के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय : धामी

प्रथम "समान नागरिक संहिता दिवस" पर मुख्यमंत्री ने किया यूसीसी में योगदान देने वाले अधिकारियों और रजिस्ट्रेशन में सराहनीय कार्य करने वालों का सम्मान

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हिमालयन कल्चरल सेंटर गढ़ी कैंट में आयोजित प्रथम "समान नागरिक संहिता दिवस" को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने समान नागरिक संहिता को तैयार करने वाले कमेटी के सदस्यों, कुशल क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों और पंजीकरण में योगदान देने वाले वीएलसी को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यूसीसी पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन उत्तराखंड राज्य के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित रहेगा, इसी दिन राज्य में समान नागरिक संहिता लागू हुई है, जिससे समाज में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों की स्थापना सुनिश्चित हो सकी। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति और परंपरा सदैव समरसता और समानता की संवाहक रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में "समोहम सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योस्ति न प्रिय:" का उपदेश दिया है, जिसका अर्थ है कि मैं सभी प्राणियों के प्रति समान भाव रखता हूँ, न किसी का शत्रु हूँ और न ही किसी के प्रति पक्षपात करता हूँ। सनातन संस्कृति की यही महानता है, जिसने सदियों से दुनिया को समानता, न्याय और मानवता का मार्ग दिखाया है। **सच किया संविधान निर्माताओं का संकल्प :** मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सहित सभी संविधान निर्माताओं ने ''समान नागरिक संहिता'' को संविधान के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों में सम्मिलित किया था। उनका मत था कि देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना चाहिए। यही कारण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उन्होंने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पूर्व, अपने दृष्टि पत्र में राज्य में "समान नागरिक संहिता" को लागू करने का संकल्प लिया। देवभूमि की जनता ने भी इस "देवकार्य" के लिए भाजपा को अपार समर्थन और आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि उन्होंने दुबारा सत्ता संभालते ही पहले दिन से ही उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के लिए कार्य प्रारंभ किया। इसी क्रम में 7 फरवरी 2024 को समान नागरिक संहिता विधेयक को राज्य विधानसभा में पारित कर राष्ट्रपति महोदया को भेजा गया। जिसे 11 मार्च 2024 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली। इसके बाद सभी आवश्यक नियमावली एवं प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए, राज्य सरकार ने 27 जनवरी, 2025 को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को विधिवत रूप से लागू कर दिया।**महिला सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत :** मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि समाज में कुछ समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण भेदभाव, असमानता और अन्याय की स्थिति बनी हुई थी। यूसीसी लागू होने से न केवल राज्य से सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हुए हैं बल्कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत भी हुई है। अब उत्तराखंड की मुस्लिम बहन-बेटियों को हलाला, इद्दत, बहुविवाह, बाल विवाह और तीन तलाक जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिली है। यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में एक भी हलाला या बहुविवाह का मामला सामने नहीं आया। यही कारण है कि मुस्लिम महिलाओं ने इस कानून का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात कई दशकों तक वोट बैंक की राजनीति के कारण, यूसीसी को लागू करने का साहस नहीं दिखाया गया। जबकि दुनिया के सभी विकसित और सभ्य देशों सहित प्रमुख मुस्लिम राष्ट्रों में समान नागरिक संहिता पहले से ही लागू है।**समानता से समरसता का प्रयास :** मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं है बल्कि ये तो समाज की कुप्रथाओं को मिटाकर सभी नागरिकों में "समानता से समरसता'' स्थापित करने का एक कानूनी प्रयास है। इस कानून के माध्यम से किसी भी धर्म की मूल मान्यताओं और प्रथाओं को नहीं बदला गया है, केवल कुप्रथाओं को दूर किया गया है। यूसीसी में सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह, विवाह-विच्छेद एवं उत्तराधिकार आदि से संबंधित नियमों को एक समान किया गया है। साथ ही संपत्ति के बंटवारे और बाल अधिकारों के विषय में भी स्पष्ट कानून बनाए गए हैं। संपत्ति के अधिकार में बच्चों में किसी भी प्रकार का भेद नहीं किया गया है, किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने के पश्चात उसकी संपत्ति को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच किसी प्रकार के मतभेद की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए मृतक की सम्पत्ति पर उसकी पत्नी, बच्चों एवं माता पिता को समान अधिकार प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय को देखते हुए युवक-युवतियों की सुरक्षा सुनिश्चित के उद्देश्य से इस कानून में लिव-इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। पंजीकरण कराने वाले युगल की सूचना रजिस्ट्रार उनके माता-पिता या अभिभावक को देगा, ये जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जा रही है। लिव-इन के दौरान जन्में बच्चों को उस युगल का बच्चा ही मानते हुए, उसे जैविक संतान के समान समस्त अधिकार प्रदान किए गए हैं।**सिर्फ घोषणा नहीं सफल क्रियान्वयन भी किया :** मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उनके लिए निजी तौर पर अत्यंत गर्व का विषय है कि उन्होंने समान नागरिक संहिता को घोषणा से लेकर धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता के माध्यम से नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं की पहुँच को और अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया है। जहां यूसीसी लागू होने से पहले हमारे राज्य में औसतन केवल 67 विवाह पंजीकरण हुआ करते थे वो संख्या आज बढ़कर प्रतिदिन 1400 से अधिक हो गई है। राज्य की 30 प्रतिशत से अधिक ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत विवाहित दंपतियों का पंजीकरण सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। बीते एक वर्ष में यूसीसी के अंतर्गत लगभग 5 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण भी किया जा चुका है। राज्य में ऑनलाइन पोर्टल व्यवस्था तथा 7,500 से अधिक सक्रिय कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से शासन को वास्तव में सीधे जनता के द्वार तक पहुँचा दिया है। **विवाह में धोखाधड़ी करने पर सख्ती का प्रावधान :** मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार ने यूसीसी में आवश्यक संशोधनों से संबंधित विधेयक पारित किया था, जिसे एक दिन पहले ही राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसके अंतर्गत विवाह के समय यदि अपनी पहचान छिपाने या गलत तथ्य बताने पर ऐसे विवाहों को निरस्त करने का प्रावधान है। इसके साथ ही, विवाह एवं लिव-इन संबंधों में किसी भी प्रकार के बल, दबाव, धोखाधड़ी अथवा विधि-विरुद्ध कृत्यों के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं। **देश को जोड़ते हैं मजबूत फैसले :** मुख्यमंत्री ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ की स्थापना के समय से ही कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और समान नागरिक संहिता को लागू करने का संकल्प लिया था, अब ये संकल्प सिद्धि बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह साबित हुआ है कि मजबूत फैसले देश को तोड़ते नहीं, बल्कि जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर समान नागरिक संहिता को लेकर भ्रांतियाँ फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर कभी इसे मूल निवासी तो कभी लिव-इन पंजीकरण को लेकर भ्रम फैलाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति राज्य का श्मूल निवासीश् नहीं बन सकता। इसी तरह लिव-इन संबंध पंजीकरण का प्रावधान बहनों-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से मां गंगा देवभूमि उत्तराखंड से निकलकर पूरे भारत को अभिसिंचित करती है, उसी प्रकार उत्तराखंड से निकलने वाली ये "समान नागरिक संहिता'' की धारा भी देश के दूसरे राज्यों को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अवश्य प्रेरित करेगी। **बहु विवाह पर होगी सख्ती :** मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ मामले बहु विवाह और विवाह विच्छेद से भी संबंधित सामने आए हैं, ऐसे मामलों में अलग से प्रावधान करते हुए, सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी अमेरिका के एक एनजीओ ने उन्हें हेट स्पीच का जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन यदि धर्मांतरण, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ बोलना हेट स्पीच है तो फिर वो फिर अच्छा ही है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, डॉ धन सिंह रावत, सांसद श्री नरेश बंसल, विधायक श्री खजान दास, श्रीमती सविता कपूर, श्री सुरेश गड़िया, श्री बृज भूषण गैरोला, सचिव गृह श्री शैलेश बगोली, डीजीपी श्री दीपम सेठ, यूसीसी समिति के सदस्य पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघन सिंह, दून विवि की वीसी प्रो सुरेखा डंगवाल, मनु गौड़, अजय मिश्रा , विशेष सचिव गृह निवेदिता कुकरेती एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

यूसीसी दिवस पर दिनेशपुर के ईओ सम्मानित

गदरपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने का एक वर्ष पूर्ण होने पर तहसील मुख्यालय में 'प्रथम देवभूमि समान नागरिक संहिता दिवस' समारोह पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर आयोजित भव्य शिविर में नगर पंचायत दिनेशपुर के अधिशासी अधिकारी (ईओ) मोहम्मद यामीन को जनपद में सर्वाधिक पंजीकरण कराने के लिए उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा गया। उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। इसके साथ ही बेहतर कार्य के लिए ग्राम पंचायत विकास अधिकारी दीपक असगोला को भी सम्मानित किया गया।समारोह में नगरपालिका गदरपुर, नगर पंचायत गुलरभोज, दिनेशपुर, बाल विकास, राजस्व, विकास और शिक्षा विभाग सहित विभिन्न

संस्थाओं ने अपने स्टाल लगाए। शिविर का मुख्य आकर्षण नगरपालिका गदरपुर के अध्यक्ष मनोज गुंबर रहे, जिन्होंने मौके पर ही अपना विवाह पंजीकरण करवाया और तत्काल प्रमाण पत्र प्राप्त किया। शिविर में क्षेत्र के लगभग 600 लोगों ने भागीदारी की, जिनमें से 291 लोगों ने यूसीसी के अंतर्गत अपना पंजीकरण कराया। इस दौरान लोगों ने आकर्षक सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाए और सुझाव पेटिका के माध्यम से अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में यूसीसी के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए स्कूली बच्चों के बीच चित्रकला, भाषण और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह ने क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को कानून की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री गुंजन सुखीजा, पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर, सभासद मुकेश कुमार, सचिन गुप्ता, संतोष गुप्ता, कैलाश चंद पालीवाल, लेखपाल सुरजीत सिंह, इंदु भट्ट, कानूनगो विनोद कुमार, गजेंद्र बिष्ट और मदनलाल समेत कई विभागीय अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चाय की दुकान में गैस सिलेंडर फटने से दो गंभीर

रुड़की (उद संवाददाता)। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर चुंगी पर बुधवार की सुबह एक भीषण हादसे से इलाके में दहशत फैल गई। यहां स्थित एक चाय की दुकान में रसोई गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आकर दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना शक्तिशाली था कि दुकान के परखच्चे उड़ गए और उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ, जब दुकान में कामकाज शुरू ही हुआ था। अचानक हुए सिलेंडर ब्लास्ट के कारण दुकान के भीतर मौजूद लोग मलबे और आग की चपेट में आ गए। धमाके की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और मलबे में दबे घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर गंगनहर कोतवाली पुलिस और दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद दुकान में लगी आग पर काबू पाया।हादसे में घायल दोनों व्यक्तियों को तत्काल रुड़की के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस ने मौके का मुआयना कर घटना की जानकारी जुटाई है। प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव को हादसे का कारण माना जा रहा है। सुबह-सुबह हुए इस धमाके से पूरे रामपुर क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

गुरु नानक अकैडमी के पांच छात्रों ने ओलंपियाड में जीते पदक

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। श्री गुरु नानक अकैडमी नानकमत्ता साहिब के पांच विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियाड में पदक जीतकर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। देश भर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय ओलंपियाड 'फ्यूचर टेक 4.0' में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 22 जनवरी को घोषित हुए परिणामों

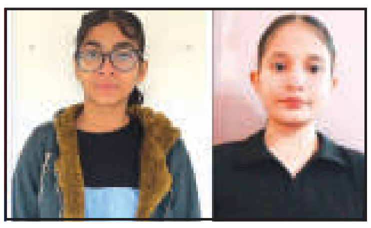

में विद्यालय की छात्रा आराध्या ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि हरप्रीत कौर और जशनदीप सिंह ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। वहीं प्रगति अग्रवाल और सुभ अग्रवाल ने कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।यह ओलंपियाड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों पर आधारित था। पदक जीतने वाले पांचों छात्र नानकमत्ता के ही निवासी हैं। विद्यार्थियों की इस बड़ी उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधक सुरेन्द्र कौर ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े प्लेटफार्म पर शामिल होने से छात्रों में नई ऊर्जा का संचार होता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाने का अवसर मिलता है। विद्यालय की प्रिंसिपल मीनाक्षी प्रभाकर, प्रशासक सुखवंत सिंह, इन्द्र चंद कालिंदी और कैलाश हेम्ब्रम ने भी विजेता छात्र-छात्राओं को बधाई दी है।

भारत विकास परिषद ने बांटे कंबल

गदरपुर (उद संवाददाता)। कड़ाके की ठंड और बढ़ते शीत लहर के प्रकोप को देखते हुए भारत विकास परिषद की गदरपुर शाखा ने सेवा भाव की मिसाल पेश की है। परिषद की ओर से ग्राम केशवगढ़ (गुमचइया कॉलोनी) में राहत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लगभग 90 जरूरतमंद और असहाय लोगों को कंबलों के साथ गर्म कपड़े वितरित किए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का मुख्य ध्येय

समाज के संपन्न वर्ग के सहयोग से विपन्न और वंचित लोगों की सहायता करना है। परिषद समय-समय पर ऐसे सेवा प्रकल्पों के माध्यम से सामाजिक समरसता और मानवता का संदेश देने का प्रयास करती है। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि भविष्य में भी जनसेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे ताकि भीषण ठंड में कोई भी पात्र व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे।इस सेवा कार्य के दौरान भारत विकास परिषद गदरपुर के अध्यक्ष राजीव ग्रोवर, सचिव डॉ. सोनू विश्वास, कोषाध्यक्ष डॉ. विनीत अरोड़ा और महिला संयोजिका अंजु भूड्डी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रवीण कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। वितरण प्रक्रिया के दौरान परिषद के प्रयासों की ग्रामीणों ने सराहना की।

उत्कृष्ट कार्य के लिए अशोक छाबड़ा सम्मानित

गदरपुर (उद संवाददाता)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में शानदार नेतृत्व और बेहतरीन कार्य प्रदर्शन के लिए गदरपुर के अशोक छाबड़ा को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हल्द्वानी स्थित एलआईसी मंडल कार्यालय में आयोजित गरिमामयी समारोह में तिरंगे की छांव के बीच उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया, जिससे क्षेत्र के बीमा जगत में हर्ष की लहर है।सम्मान प्राप्त करने के बाद अशोक छाबड़ा ने अपनी सफलता

का श्रेय एलआईसी के अधिकारियों, अपनी टीम के सदस्यों और ग्राहकों के अटूट विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि एक टीम लीडर के तौर पर मिली यह उपलब्धि वास्तव में उनके साथियों के कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने अपने संबोधन में गुरुजनों और पितरों के आशीर्वाद को अपनी शक्ति बताया और भविष्य में भी पूरी ईमानदारी व लगन के साथ बीमाधारकों की सेवा करने का संकल्प लिया।समारोह के दौरान एलआईसी के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक डी.के. जोशी, मार्केटिंग प्रबंधक के.एस. पंगती, विक्रय प्रबंधक मोहन चंद्रा और डिवीजनल सीएलआईए प्रबंधक राजेश तिवाड़ी ने संयुक्त रूप से अशोक छाबड़ा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर निगम के अनेक अधिकारी, कर्मचारी और बीमा क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पंतनगर। विश्वविद्यालय में देश का 77 वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विष्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने प्रात: 9:00 बजे विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में कुलपति आवास तराई भवन पर ध्वजारोहण किया तदोपरान्त 9:25 बजे गांधी मैदान में भारी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों, षिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एव कर्मचारियों के मध्य ध्वजारोहण किया और देष की एकता व बंधुता को बनाये रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है। कुलपति ने बताया कि सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 5039 छात्र-छात्राओं का पंजीकरण हुआ है। अब तक विश्वविद्यालय में 36 दीक्षांत समारोह आयोजित हो चुके हैं तथा 17 फरवरी को 37वां दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से अब तक 45,284 विद्यार्थी उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जो

देश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में डा. भीमराव अंबेडकर चेयर की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही प्रौद्योगिक महाविद्यालय में सेमीकंडक्टर लैब की स्थापना की गई है, जो आईआईटी के अतिरिक्त किसी कृषि विश्वविद्यालय में पहली है। इससे विद्यार्थियों को उन्नत प्रशिक्षण एवं बेहतर प्लेसमेंट के अवसर मिलेंगे। पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर्गत किसान चौपाल, प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईवीएफ तकनीक तथा देसी गाय की क्लोनिंग पर कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रदेश एवं देश के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। छात्र गतिविधियों पर बोलते हुए कुलपति ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी से ही सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने संसद भवन में आयोजित कार्यक्रमों में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों तथा एनसीसी कैडेट प्रिंस सिंह राणा को स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर बधाई दी। प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि लगभग 1100 विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया, जिनमें से 666 विद्यार्थियों का 5 से 15 लाख रुपये के पैकेज पर चयन हुआ है। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय और प्लेसमेंट सेल की बड़ी सफलता बताया। कुलपति ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से विश्वविद्यालय की तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है तथा मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में विश्व रैंकिंग में और बेहतर स्थान प्राप्त करेगा तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने एक बार फिर सभी को 77 वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए "जय हिंद" के उद्घोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। तराई भवन एवं गांधी पार्क के अतिरिक्त विभिन्न शोध केन्द्रों पर उनके प्रभारी अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय फार्म पर मुख्य महाप्रबंधक (फार्म) डा. जयंत सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा अनुभाग में कुलपति इलेवन एवं रजिस्ट्रार इलेवन के मध्य क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें कुलपति इलेवन ने रजिस्ट्रार इलेवन को हराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक आदि उपस्थित थे।

जेसीज स्कूल में गणतंत्र दिवस की धूम

रूद्रपुर। जेसीज पब्लिक स्कूल रुद्रपुर में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि जेसीज के पूर्व छात्र डॉ. आकाश पारुथी (एम.बी.बी.एस. एवं एम.डी.) सवाई मान सिंह मैडिकल

कॉलेज जयपुर डी.एम. कार्डिओलॉजी-अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश विशेष अतिथि डॉ. अजय अरोरा सहित प्रबंधन समिति के महासचिव श्री सुरजीत सिंह गोवर ने ध्वजारोहण किया। जेपीएस फाउंडेशन के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त एन.सी.सी. ड्रिल बैगपाइपर बैंड एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति से परिपूर्ण गीत, नृत्य, भाषण आदि ने उपस्थित लोगों को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आर.डी. शर्मा ने समस्त अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया तथा गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए उसकी महत्ता के विषय में बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. आकाश पारुथी ने अपने व्यक्तित्व निर्माण में अपने शिक्षकों की भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं सभी विद्यार्थियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर हूँ। विद्यालय प्रबंधन समिति के महासचिव श्री सुरजीत सिंह ग्रोवर ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा पद्धति में बहुत बदलाव आया है। आज सॉफ्ट स्किल का समय है। आज जिसके पास प्रतिभा है वह आगे बढ़ रहा है। ए. आई. के कारण शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आज समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का समय है। उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित भवन का परिचय देते हुए कहा कि आज की आवश्यकताओं को देखते हुए नई स्किल, नई शिक्षा तकनीक, संस्कृति से जुड़ी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विद्यालय के निदेशक सुधांशु पंत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी को अपने अपने क्षेत्र में मिलकर एक साथ काम करना होगा तभी इस पर्व की सार्थकता होगी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से पूर्व छात्र सी.ए. अनमोल फुटेला, सी. ए. विशेष मित्तल, श्री तरनजीत सिंह, श्री धर्मेन्द्र सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों एवं अभिभावकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मदरसा जामियातुल हसनात में मनाया गणतन्त्र दिवस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सीर गोटिया स्थित शिक्षण संस्थान मदरसा जामियातुल हसनात में परम्परागत 77वा गणतन्त्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। ध्वजारोहण मदरसे के प्रबन्धक सचिव मुहम्मद फैजान रजा अशरफी एवं मुख्यअतिथि उत्तराखण्ड राज्य हज सिमिति के सदस्य मुफ्ती मन्नान रजा द्वारा किया गया। मदरसे के स्टाफ एवं विद्यार्थियों के द्वारा राष्ट्रगान तथा कौमी तराना गाया गया। इस अवसर पर मुफ्ती मन्नान रजा ने कहा कि हमारे लिए देश की स्वतंत्रता और गणतन्त्रता दोनो ही गर्व की

चीजे है। ये दोनो ही चीजें हमें बहुत कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुई है। मदरसों से पढ़ने वाले उलमा ने सन् 1857 में आजादी का सूर फूंका और मैदान में आकर अग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ी। इस जग में हजारो उलेमाओं को फांसी पर लटकाया गया। पण्डित जवाहर लाल नहरू और महात्मा गांधी के साथ मौलाना अबुल कलाम आजाद, मौलाना मुहम्म्द अली जौहर, मौलाना शौकत अली, मौलाना हसरत मोहानी आदि ने जंग लड़ी । इस अवसर पर मदरसे के प्रबन्धक सचिव मुहम्मद फैजान रजा अशरफी ने कहा कि हिन्दुस्तान एक धर्म निरपेक्ष देश है और हमारे देश का संविधान भी लोकतांत्रिक है। 77वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर हम संकल्प ले कि अपने देश में कौमी एकता अमन इत्तेहाद और भाईचारा कायम रखने के लिये हम लगातार प्रयास करते रहेंगे और यहां की अमन-ओ-शान्ति पर किसी सूरत में आंच नहीं आने देगें। इस अवसर पर उप- प्रधानाचार्य जीशान, अध्यापकगण सबीहा नाज, साविया, इरम, सादिया नाज, मुहम्मद जाहिद, आसिया बी, सोनी, शिफा एवं समस्त विद्यार्थी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम समापन पर मिष्ठान वितरण किया गया।

पूर्व सांसद पासी से माफी मांगे मेयर दीपक: नारंग

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा के वार्ड 5 के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व नगर मंत्री जगदीश नारंग ने जारी एक बयान में काशीपुर के मेयर दीपक बाली द्वारा पूर्व सांसद बलराज पासी के प्रति कहे गये शब्दों पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि इसके लिए मेयर बाली को बलराज पासी से माफी मांगनी चाहिए। उनका कहना है कि भाजपा सरकार को भी दीपक बाली के खिलाफ कार्रवाई करने चाहिए। नारंग ने कहा कि बलराज पासी को दीपक बाली की अपेक्षा राजनीति का लम्बा अनुभव है।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम इकबाल हुसैन (IQBAL HUSAIN) था । अब मैंने अपना नाम बदलकर इकबाल अहमद (IQBAL AHMAD) रख लिया है। भविष्य में हर मौके, विवरण में मेरे नये नाम इकबाल अहमद (IQBAL AHMAD) से ही सम्बोधित किया जाये।

इकबाल अहमद पुत्र श्री इजाज हुसैन निवासी ग्राम व पोस्ट लालपुर, तह0 रूद्रपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

न्याय पंचायत सरकड़ी में कैम्प का आयोजन किया

शिविर में शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया,1500 लोगों ने लिया शिविर का लाभ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के अन्तर्गत दिनांक 27 जनवरी, 2026 दिन मंगलवार को जनपद ऊधमसिंह नगर के विकासखण्ड बाजपुर के अन्तर्गत न्याय पंचायत सरकड़ी के पंचायत भवन बरवाला में अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व कौस्तुब मिश्र की अध्यक्षता में कैम्प का आयोजन किया गया। आयोजित कैम्प/कार्यक्रम में कुल 1500 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें कुल 24 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 07 प्रार्थना पत्रों/प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित किया गया। अन्य प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है, इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विभिन्न प्रकार की योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करते हुए सभी प्रकार के प्रमाण-पत्रों को शीघ्रता से निर्गत करने तथा शिविर में आने वाले सभी पात्र व्यक्तियों को योजना से लाभान्वित करने हेतु विशेष ध्यान रखने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पाण्डे ने कहा कि जनता शिविर में विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों पर जाये व योजनाओं का लाभ उठाये। उन्होने विभागीय अधिकारियों से कहा कि लोगों को योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी दे ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ ले सकें। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 356 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण/दवा वितरण, 06 आयुष्मान कार्ड, 01 दिव्यांग प्रमाण पत्र, 07 मनरेगा जॉब कार्ड, 09 परिवार रजिस्टर नकल, 07 जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, 282 यू0सी0सी0 प्रमाण पत्र, 47 जाति / स्थाई/आय, 02 उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, 02 हैसियत प्रमाण पत्र, 03 यू0डी0आई0डी0 कार्ड, 15 राशन कार्ड जारी. 07 श्रम कार्ड, 03 दिव्यांग बस पास, 05 मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 24 आधार अपडेशन/करेक्शन, 23 नये आधारकार्ड निर्गत किये गये। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत 10 लाभार्थियों को लाभांवित किया गया। डेयरी विभाग द्वारा 03 दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना, 04 साईलेज एवं दुधारू पशु योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को लाभांवित किया गया।राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, ब्रॉयलर फार्म प्रोत्साहन योजना, बैंकयार्ड पोल्ट्री योजना, मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना, महिला मंगलवल य युवक मंगलदल का गठन, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन- पशुधन बीमा, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजना आदि) से कुल 578 व्यक्तियों को लाभांवित किया गया।

474 कैंपों से 3.77 लाख से अधिक लोग लाभान्वित

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व एवं जनकल्याणकारी दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप राज्य में चलाए जा रहे विभिन्न सेवा एवं जागरूकता अभियानों को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। सरकार की सक्रिय नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के चलते प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे कैंपों के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।आज प्रदेश में 14 कैंपों का आयोजन किया गया, जिनमें 6,368 नागरिकों ने सहभागिता कर सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त किया। यह आंकड़े सरकार की जनहितकारी योजनाओं की स्वीकार्यता और प्रशासन की कार्यक्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।यदि अद्यावधि (अब तक) की बात की जाए तो मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में कुल 474 कैंपों का सफल आयोजन किया जा चुका है। इन कैंपों के माध्यम से अब तक 3,77,358 नागरिकों ने विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठाया है।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुँचाना है। कैंपों के माध्यम से न केवल सेवाओं का त्वरित निस्तारण हो रहा है, बल्कि आम जनता को सरकार से सीधे जुड़ने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे अभियानों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाया जाए, ताकि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित रूप से पहुँच सके।यह उपलब्धि स्पष्ट करती है कि उत्तराखंड सरकार जनसेवा, पारदर्शिता और सुशासन के संकल्प पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पीएम मोदी का संकल्प ग्रामीण भारत बने आत्मनिर्भर : यतीश्वरानंद

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कालाढूँगी विधानसभा अंतर्गत कालाढूँगी मण्डल में विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) जन-जागरण अभियान के तहत वीबी ग्राम जी जिला सम्मेलन का कालाढूँगी में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं अभियान की जिला टोली के संयोजक प्रताप बोहरा ने की। सम्मेलन में मुख्य वक्ता रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बने, हर हाथ को काम मिले और हर परिवार को स्थायी आजीविका का साधन उपलब्ध हो। उन्होंने कहा विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस मिशन के माध्यम से मजदूरों को समय पर मजदूरी, युवाओं को रोजगार और गांवों को समग्र विकास का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को विकास की धुरी बनाकर योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। केंद्र सरकार मजदूर, किसान, महिला और युवा सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। स्वामी जी ने बताया यह जन-जागरण अभियान गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने और विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं से जुड़ें और गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कालाढूँगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भारत की रीढ़ है। यह मिशन खेती, पशुपालन, ग्रामीण उद्योग, जल संरक्षण, सड़क, नाली, विद्यालय, पंचायत भवन जैसे कार्यों के माध्यम से गांवों में बड़े पैमाने पर रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा करेगा। इससे पलायन रुकेगा और गांव समृद्ध बनेंगे।मंच संचालन अभियान के जिला सह संयोजक नितिन राणा ने किया।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, लालकुआ विधायक डॉ मोहन बिष्ट, मेयर गजराज बिष्ट, दर्जा मंत्री श्रीमती शांति मेहरा, सुरेश भट्ट, दीपक मेहरा, दिनेश आर्य, श्रीमती रेनू अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीपा दर्मवाल, कौस्तुभानंद जोशी, प्रदीप जनौटी, रंजन बर्गली, विकास भगत, श्रीमती मनीषा जन्तवाल, श्रीमती मंजू गौड़, विनोद तिवारी, संजय पांडे, रत्नेश, अमित चौधरी, विक्रम जंतवाल आदि उपस्थित थे।

महिलाओं के अधिकारों व सम्मान का रक्षक है यूसीसी कानून: फरजाना

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष एवं दर्जा राज्य मंत्री श्रीमती फरजाना बेगम के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता कानून के लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं द्वारा हर्ष एवं उल्लास के साथ इस ऐतिहासिक दिन को उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। श्रीमती फरजाना बेगम ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी जैसा साहसिक और ऐतिहासिक कानून लागू कर यह सिद्ध कर दिया है कि वे महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह कानून विशेष रूप से बहनों के लिए सुरक्षा और समानता की मजबूत ढाल बना है। उन्होंने इसे महिलाओं के हित में एक दूरदर्शी निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि धामी जी का नेतृत्व प्रदेश की महिलाओं के लिए विश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक है। यूसीसी कानून ने समाज में समानता और न्याय की भावना को और मजबूत किया है।श्रीमती फरजाना बेगम ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का दूरदर्शी नेतृत्व, साहसिक निर्णय क्षमता और महिला सशक्तिकरण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में प्रशंसनीय है। यूसीसी कानून सामाजिक समरसता और समान अधिकारों की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धामी सरकार द्वारा लाया गया समान नागरिक संहिता कानून महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ है। कार्यक्रम में नगमा, सहना, असमा, भूरी, आमना, शाइन, सकीना, मुन्नी, निशा, शबाना, सलमा, नेहा, जेरुल निशा सहित अनेक अल्पसंख्यक महिलाएं उपस्थित रहीं।

मीना शर्मा ने मुकदमा दर्ज होने पर जताया आभार

रुद्रपुर। पूर्व पालिका अध्यक्ष और कांग्रेस की बरिष्ठ नेत्री श्रीमती मीना शर्मा ने कहा है की पूर्व विद्यायक् राजकुमार ठुकराल द्वारा उन पर जो आपत्ति जनक, और अमर्यादित टिप्पणी की गई थी, देर सवेर उसमें उन्हें सफलता मिल गई है, श्रीमति शर्मा ने कहा है की सत्य प्रताड़ित तो हो सकता है किंतु पराजित नहीं हो सकता, और आज एक साल के बाद उन्हें इस मामले में सफलता मिल ही गई है। जिसके लिए वह कार्यकर्ताओं के साथ ही पुलिस प्रसाशन, एस एस पी मढ़ीकांत मिश्रा, सी ओ प्रशांत कुमार, एस डी एम मनीष विष्ट, कोतवाल मनोज रतूड़ी और सभी पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त करती है । कांग्रेस नेत्री श्रीमती शर्मा ने कहा की इस मामले में उन्होंने जो एक बर्ष तक घुटन महसूस की, आज वह ठुकराल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने पर सिर्फ इतना ही कहेंगी की उन्होंने अपनी पहली लडाई को जीता है, और आगे अभी लडाई बाकी है। श्रीमती शर्मा ने कहा की वह इस लडाई को अंत तक लड़ेंगी,और वह चुप नहीं बैठेंगी स श्रीमती शर्मा ने कहा की वह इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी कराके ही चैन से बैठेंगी।

दिव्यांग बच्चों ने उल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जन कल्याण एवं बाल विकास संस्था द्वारा संचालित स्टार्ट इंस्टीट्यूट में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किरतपुर के ग्राम प्रधान आशीष यादव, संस्थान की डायरेक्टर डॉ. माधवी अवस्थी और विशाल हुड़िया ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। ध्वज फहराने के पश्चात उपस्थित बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों ने राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशीष यादव ने बच्चों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और संस्थान के बच्चों के अनुशासन की प्रशंसा की।ध्वजारोहण के बाद संस्थान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। दिव्यांग बच्चों ने देशभक्ति गीतों और भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही अभिभावकों ने भी विभिन्न प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। संस्थान की डायरेक्टर डॉ. माधवी अवस्थी ने सभी बच्चों और अभिभावकों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की सराहना की और सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान संस्थान के स्टाफ के साथ ही स्टेपअप रिहैबिलिटेशन सेंटर का स्टाफ भी मौजूद रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशीष यादव, डॉ. माधवी अवस्थी, निधि अग्रवाल, विशाल हुड़िया समेत कई अभिभावक व बच्चे उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय के लिए वरदान बना यूसीसी कानून: विकास शर्मा

यूसीसी दिवस पर गांधी पार्क में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम, विभिन्न योजनाओं के स्टॉलों का लोगों ने उठाया लाभ

रूद्रपुर। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लागू होने का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य सरकार के निर्देशानुसार 'यूसीसी दिवस' गौरव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर निगम और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय गांधी पार्क में एक विशाल कार्यशाला एवं जन-सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सुबह से ही पंजीकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ महापौर विकास शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान महापौर के साथ जिलाधिकारी नितिन भदौरिया सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और जनता से सरकार की इस क्रांतिकारी पहल का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड देश का वह पहला राज्य है जिसने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता को धरातल पर उतारकर एक मिसाल पेश की है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि यह कानून सामाजिक समानता के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यूसीसी कानून

अपनी स्थापना के उद्देश्यों पर पूरी तरह खरा उतर रहा है और इसके सार्थक परिणाम आज हमारे सामने हैं।महापौर ने कहा कि देवभूमि की संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के लिए यह कानून मील का पत्थर साबित हुआ है। पहले विवाह और तलाक के नियमों में स्पष्टता और सख्ती न होने के कारण कई विसंगतियां थीं, लेकिन अब विचारधारा बदली है। विशेष रूप से मुस्लिम समाज में प्रचलित तीन तलाक जैसी प्रथा महिलाओं के लिए एक अभिशाप थी, जो उनके शोषण का जरिया बनी हुई थी। यूसीसी ने इस शोषण को जड़ से समाप्त कर दिया है। अब कोई भी अपनी मर्जी से बहुविवाह नहीं कर सकता और न ही मनमाने ढंग से तीन तलाक दे सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि के स्वरूप को बचाने और महिलाओं के सम्मान को सुरक्षित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। लिव-इन रिलेशनशिप और पहचान छिपाकर विवाह करने वालों के खिलाफ कड़े प्रावधानों से समाज में सुरक्षा का भाव बढ़ा है। उन्होंने बताया कि कानून के तहत 2010 के बाद हुए सभी विवाहों का पंजीकरण अनिवार्य है और आज शिविर में इसकी नि:शुल्क सुविधा प्रदान की गई।अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सराहना करते हुए भावुक स्वर में कहा कि धामी सरकार विशेष रूप से अल्पसंख्यक बहनों के लिए एक फरिश्ते के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यूसीसी कानून ने उन हजारों बहनों को नई जिंदगी और राहत दी है जो अब तक अपने अधिकारों से वंचित थीं। फरजाना बेगम ने जोर देकर कहा कि जिस भी राज्य में यूसीसी जैसा कानून होगा, वहां की बहनें स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगी। यह गौरव की बात है कि उत्तराखंड की महिलाओं को अब उनके वास्तविक अधिकार मिल रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रदेश की सुरक्षा और खुशहाली का रक्षक बताते हुए कहा कि उनके जैसे नेतृत्व में ही प्रदेश का भविष्य सुरक्षित है।जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने कार्यशाला में कहा कि आज प्रथम यूसीसी दिवस मनाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय और समानता का एक सुदृढ़ स्तंभ है। एक वर्ष पूर्व जब इसे लागू किया गया था, तब मुख्य लक्ष्य यह था कि राज्य के हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म या वर्ग का हो, एक समान सुरक्षा और विधिक अधिकार प्राप्त हों। डीएम ने बताया कि यह कानून समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर कर रहा है और महिलाओं को सशक्त बना रहा है। आज के शिविर में यूसीसी के साथ-साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल इसीलिए लगाए गए हैं ताकि जनता को एक ही छत के नीचे शासन की सभी सुविधाओं का लाभ मिल सके। नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम और प्रशासन के इस साझा प्रयास से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं। शिविर में न केवल यूसीसी के तहत पंजीकरण किए गए, बल्कि मौके पर ही विभिन्न प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया है। यह अभियान केवल आज तक सीमित नहीं है, बल्कि जागरूकता का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा ताकि हर पात्र व्यक्ति यूसीसी के प्रावधानों को समझ सके और उनका लाभ ले सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्षदगण, गणमान्य नागरिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर एडीएम पंकज उपाध्याय, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती राजू नबियाल, कीरतपुर ग्राम प्रधान आशीष यादव, ग्राम प्रधान मंदीप वर्मा, देवभूमि व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह, एसडीएम मनीष बिष्ट, सीडीओ

दिवेश शाशनी, पार्षद चिराग कालरा,गिरीश पाल, शुभम दास, भाजपा युवा नेता केके त्रिपाठी, चेतन शर्मा मंडल उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा, अभिषेक तिवारी आकाश रस्तोगी, अरुण दीक्षित देवभूमि व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष राहुल सरीन,व्यापार मंडल महामंत्री सन्नी खुराना,आकाश रस्तोगी,भाजपा नेता मोहन तिवारी, आदि लोग मौजूद रहे ।

मेट्रोपोलिस सिटी में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

स्वस्थ और शिक्षित नागरिक ही सशक्त गणतंत्र का आधार: डॉ. चंदोला

रूद्रपुर। मेट्रोपोलिस सिटी स्थित विला पार्क में गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व अत्यंत गरिमा और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड आयुष परिषद के अध्यक्ष एवं चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के एमडी डॉ. के.सी. चंदोला एवं समाजसेवी प्रवीण कोठारी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समूचे वातावरण को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. के.सी. चंदोला ने कहा गणतंत्र केवल एक दिवस नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के सपनों को साकार करने का संकल्प है जिन्होंने एक स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी। आज

भारत विश्व पटल पर एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, लेकिन वास्तविक गणतंत्र की सार्थकता तभी है जब देश का प्रत्येक नागरिक मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हो। आयुष और आयुर्वेद की परंपराओं को अपनाकर हम एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैंउन्होंने कहा मेट्रोपोलिस जैसी आधुनिक कॉलोनियां लघु भारत का स्वरूप हैं, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों के लोग मिलकर रहते हैं। हमारी एकता ही हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं को संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतना ही सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम में कॉलोनी के बच्चों और महिलाओं ने सामूहिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विशेषकर महिलाओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और नृत्य ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर समाज के विभिन्न प्रबुद्ध वर्ग ने भी देश की प्रगति और संवैधानिक मूल्यों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर विनोद शर्मा, एस. एस. पटवाल, उमेद बिष्ट, बसंत जोशी, अनिल यादव, एच.सी. गुप्ता, विवेक शर्मा, जनार्दन,हंसी देवी,रेवती चंदोला,प्रभा सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी निवासी उपस्थित रहे।

तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

रुद्रपुर । कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के पास से 32 बोर का एक देसी तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।जानकारी के अनुसार, रम्पुरा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धीरज टम्टा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था और संदिग्धों की चेकिंग के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान इंदिरा चौक पर मुखबिर ने सूचना दी कि ब्लॉक रोड स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर दबिश दी। पुलिस वाहन को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे करीब 20 कदम की दूरी पर दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम सतीश कोली पुत्र दीप चंद कोली, निवासी वार्ड नंबर 24, हनुमान मंदिर के पास, रम्पुरा बताया। जामातलाशी लेने पर युवक की जींस की जेब से 32 बोर का एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा लाइसेंस मांगने पर वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह नशे का आदी है और किसी अज्ञात व्यक्ति से उसे यह तमंचा मिला था। उसने स्वीकार किया कि वह झगड़े के दौरान दूसरों को डराने के लिए यह हथियार अपने पास रखता था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस टीम में उपनिरीक्षक धीरज टम्टा के साथ कांस्टेबल पूरम राम और महेश राम शामिल रहे। पुलिस ने मौके पर ही ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से वीडियोग्राफी कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी की।

क्षेत्र एवं देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शेर अली

पूर्व प्रधान एवं विधायक प्रतिनिधि,जसपुर

सड़क की स्वीकृति पर बेहड़ का किया जोरदार स्वागत

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र के तुर्कागौरी ग्राम में करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रीय जनता में खुशी की लहर है। विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों से मिली इस सफलता पर ग्रामवासियों ने उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया और आभार जताया। राज्य योजना के अंतर्गत स्वीकृत इस सड़क निर्माण कार्य की अनुमानित लागत लगभग 78 लाख रुपये है। इस सड़क के बनने से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान विधायक तिलक राज बेहड़ ने तुर्कागौरी स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की

सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक बेहड़ ने कहा कि जनता से मिलने वाला स्नेह और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है और जनसेवा का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि यह सड़क उनके पूर्व प्रयासों का परिणाम है जिसे अब शासन से मंजूरी मिल गई है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान विधायक के साथ जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्य, राजेश प्रताप सिंह, मेजर सिंह, दिलीप सिंह बिष्ट, राजेंद्र शर्मा, बिशन सिंह कोरंगा, महेश यादव, लियाकत अली, अशरफ अली, हृदयाल, मोरपाल, रंजीत, रणजीत, नसीब अंसारी, रामब्रिक्ष यादव, देवी प्रसाद शर्मा, हरदयाल, अशरफ अंसारी, लियाकत अंसारी, नसीब अंसारी, शिशुपाल यादव, दिव्यांशु यादव, उमेश कुमार, गौरव आर्य और दीपक यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

जल संकट की चिंताएं

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है।समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए।? संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं।

ढाई दिन खुला कोटा,गरीबों के समक्ष राशन का टोटा

दिसंबर माह का राशन वितरण, जनवरी का अभी लंबित

सितारगंज। सरकारी राशन दो माह बाद सस्ता गल्ले की दुकानों में एक माह का राशन वितरण किया गया हैं। कुछ सस्ता गल्ला विक्रेता दुकानों को निर्धारित समय सारणी में नहीं खोल रहे हैं। वार्ड पांच के दुकानदार ने ढाई दिन सस्ता गल्ले की दुकान खोलकर बंद कर दी। कोटेदार राशन की दो दुकानें संचालित करते हैं। जिससे राशन उपभोक्ता परेशान हो गए हैं। कोटेदार दूसरे वार्ड की दुकानों में उपभोक्ताओं को बुला रहे हैं। क्षेत्र में लगभग 52 हजार राशन कार्ड धारक है। इन कार्ड धारकों को दिसंबर और जनवरी माह में दो माह का राशन वितरण होना था। लेकिन जनवरी माह में दो माह के स्थान पर एक माह का राशन सस्ता गल्ले की दुकानों में आवंटित किया गया है। इसके बाद सस्ता गला विक्रेताओं ने उपभोक्ताओं को राशन वितरण कराना शुरू कर दिया है। लेकिन राशन वितरण के मामले में कुछ सस्ता गल्ले की दुकानों में समस्याएं सामने आ रही हैं। नगर के वार्ड नंबर 5 में ढाई दिन सस्ता गल्ले की दुकान खोली गई। जिसके बाद कोटेदार ने उपभोक्ताओं को दूसरे वार्ड में राशन के लिए बुलाना शुरू कर दिया। जिससे दोनों वार्डो का राशन एक वार्ड में वितरण होने से व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी हर कुमारी ने कहा कि वह विधवा महिला है उसका बेटा विकलांग है। मंगलवार को बारिश के मौसम में भीगते हुए वह वार्ड नंबर 6 में राशन लेने के लिए गई। लेकिन उन्हें राशन नहीं दिया गया। इसी वार्ड की 80 वर्षीय आमना बेगम का फिंगरप्रिंट सत्यापित नहीं हो सका। जिस वजह से उन्हें राशन नहीं मिला। पूर्ति निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह धामी ने बताया कि दिसंबर माह तक का राशन वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 5 में शिकायत के बाद कोटेदार को बुलाकर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने वार्ड नंबर 5 के उपभोक्ताओं को उनके ही वार्ड में राशन वितरण करने के लिए कोटेदार को आदेशित किया हैं।

सरकारी स्कूलों में दो माह बाद पहुंचेगा राशन

सितारगंज। ब्लॉक के 200 सरकारी विद्यालयों में दो माह से चावल आवंटित नहीं गया है। जनवरी माह में विद्यालयों को बच्चों के लिए चावल वितरण हो सकता है। पूर्व में सरकारी विद्यालयों को आवंटित होने वाले चावल के गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए थे। सूत्रों के अनुसार गुणवत्ता हीन चावल नवंबर माह में वितरण किया गया था। जिसे बाद में वापस किया गया। तब से लेकर अब तक विद्यालयों में बच्चों के भोजन के लिए चावल नहीं आया है। इस अंतराल में विद्यालयों ने बच्चों के भोजन के लिए चावल की व्यवस्था की थीं।

बर्फबारी से यमुनोत्री हाईवे बंद, तेज बारिश और एवलांच की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड में आज भी मौसम बिगड़ा हुआ है। वहीं, मौसम विभाग ने बागेश्वर, चमोली, देहरादून, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, पुरोला, गंगोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ, मुनस्यारी, कपकोट और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश व बर्फबारी होने की संभावना जताई है। पहाड़ों की रानी मसूरी में देर रात को ही हल्की बर्फबारी हुई। बर्फबारी के बाद शहर में ठंड बढ़ गई है। वहीं, तेज हवाओं ने भी परेशानी बढ़ा दी है। देर रात से हो रही बारिश और बर्फबारी के बाद यमुनोत्री हाईवे राना चट्टी से आगे और राडी टॉप क्षेत्र में आवाजाही के लिए बंद है। जिससे उत्तरकाशी जिले के रवांई घाटी का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बर्फबारी की चेतावनी को देखते हुए पौड़ी, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर में स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी एवं हिमस्खलन की संभावनाओं को दृष्टिगत जिलों को सतर्क किया है। रक्षा भू-सूचना अनुसंधान संस्थान के जारी पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार शाम पांच बजे तकप्रदेश के विभिन्न ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी एवं हिमस्खलन की संभावना है। डीजीआरई की जारी चेतावनी के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग जिले को नारंगी श्रेणी (श्रेणी-तीन) में रखा गया है। इस श्रेणी में अधिकांश हिमस्खलन मार्गों पर गहरी व अस्थिर बर्फ जमी रहती है। वहीं पिथौरागढ़ जिले को पीले रंग की श्रेणी (श्रेणी-2) में रखा गया है। इस श्रेणी में कुछ हिमस्खलन मार्गों पर अस्थिर बर्फ पाई जाती है। सीमित क्षेत्रों में छोटे आकार के प्राकृतिक हिमस्खलन की संभावना बनी रहती है। बागेश्वर जिले को हरे रंग की श्रेणी (श्रेणी-1) में रखा गया है। इस श्रेणी में सामान्यतः स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रहती है, हालांकि कहीं-कहीं स्थानीय स्तर पर बर्फ की अस्थिरता पाई जा सकती है। इस संबंध में सचिव, आपदा प्रबंधन व पुनर्वास विनोद कुमार सुमन के निर्देशों के क्रम में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर सतत निगरानी बनाए रखें, संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता सुनिश्चित करें।

यूजीसी के नए नियम और उनका विरोध

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नए नियम तो उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव दूर करने की दृष्टि से बनाए थे, लेकिन इनके अधिसूचित होते ही असमानता के भेद उजागर हो गए। फलस्वरूप समूचे देश की सवर्ण जातियां आक्रोशित होकर आंदोलन पर उतर आईं। क्योंकि सवर्ण समाज को इसके दुरुपयोग की इस बात को लेकर आशंकाएं हैं कि इन्हें सवर्ण जातियों को परेशान करने के लिए एक कारगर हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। जैसा कि एससी-एसटी कानून के तहत सवर्णों को झूठे मुकदमों में फंसाने का काम किया जाता है। विडंबना है कि अब इन नए नियमों में पिछड़े वर्ग को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही कानून में इन वर्गों के छात्र शिक्षक और कर्मचारी भी षामिल कर दिए हैं। नए कानून में नस्ल, पंत, क्षेत्र, लिंग और दिव्यांगता के आधार पर भी भेदभाव बरते जाने की शिकायत की जा सकती है। मसलन इस आधार पर किसी भी जाति के छात्र की शिकायत की जा सकती है। यानी छात्रों को परेशान करने का दायरा इस कानून के तहत विस्तृत कर दिया गया है, जबकि 2012 के इसी कानून में ऐसा नहीं था। इसीलिए इस कानून का विरोध केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ दल के भाजपा नेता, सांसद और विधायक भी कर रहे हैं। क्योंकि कानून में इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि शिकायतकर्ता की शिकायत यदि झूठी पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही का कोई प्रविधान नहीं है। समता के बहाने लाए गए ऐसे कानून शिक्षा संस्थानों में जातीय वर्ग संघर्ष के हालात पैदा करने के अलावा समता के कोई उपाय नहीं कर पाएंगे। इस कानून के अधिसूचित होते ही इसके विरोध में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने त्यागपत्र दे दिया है। यह कानून आ बैल मुझे मार कहावत को चरितार्थ करने वाला है।जातिगत कटुता बढ़ाने के इस कानून के आते ही देशभर में सवर्ण समाज के आंदोलन को देख केंद्र सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। सरकार इसका रास्ता ढूंढ़ने में भी जुट गई है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद यूजीसी ने 2012 में लाए गए समानता के नियमों में बदलाव किया है। 2012 में भी न्यायालय के आदेश पर यह कानून बना था। लेकिन इस बार यह बदलाव व्यापक असंतोष का कारण बन गया है। इन नियमों के अंतर्गत प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में अनिवार्य रूप से समानता समीतियों (इक्विटी कमेटी) का गठन होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान को डिग्री या कार्यक्रम देने पर यूजीसी ने दंड के प्रावधान किए है। उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नजरिए से इस कानून को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित भी कर दिया है। अर्थात ये कानून प्रभावशील हो गए है। हालांकि पिछले साल फरवरी 2025 में यूजीसी ने जब नए नियमों का प्रारूप सुझावों के लिए जारी किया था तब इसमें पिछड़ा वर्ग को जाति आधारित भेदभाव से अलग रखा गया था। इस प्रारूप में यह भी प्रस्ताव था कि यदि भेदभाव की शिकायतें झूठीं पाई जाती हैं तो ऐसे शिकायत कर्ताओं को हतोत्साहित करने के साथ जुर्माने का प्रावधान भी था, जिसे वे भविश्य में झूठी शिकायतें न करें। लेकिन जब यह कानून अधिसूचित होने के बाद सार्वजनिक हुआ तो इसमें पिछड़ा वर्ग को षामिल करने के साथ झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान भी विलोपित कर दिया गया। साथ ही भेदभाव का दायरा बढ़ा दिया गया। भेदभाव को परिभाशित करते हुए कानून में कहा गया है कि यदि छात्र के खिलाफ यदि धर्म, जाति, लिंग क्षेत्र या विकलांगता के आधार पर अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार सवर्ण जाति के छात्र करते हैं तो यह आचरण भेदभाव के दायरे में आएगा। संस्था प्रमुख को नए नियमों के अनुसार दिए उत्तरदायित्वों का समानता बढ़ाने की दृश्टि से पालन करना अनिवार्य होगा।यूजीसी भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक संस्था है। इसकी स्थापना 1956 में संसद में एक अधिनियम पारित करके उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। लेकिन लगता है की इस कानून से ये संस्थान अब वर्ग संघर्श के अखाड़े बन सकते है। क्योंकि मात्र शिकायत के आधार पर यह कैसे तय होगा कि वाकई सवर्ण छात्र ने भेदभाव का आचरण किया है ? इस कानून से यह भी प्रतिबिंबित है कि भेदभाव या जातिसूचक अनर्गल टिप्पणियां केवल उच्च वर्ग के छात्र ही करते हैं। जबकि अब आरक्षण का लाभ पाकर सरकारी नौकरियों में आए दलित, आदिवासी और पिछड़ वर्ग के माता-पिता की संतानें भी आपत्तिजनक आचरण सवर्णों से करने लगे हैं। चरित्र में अहंकार ओहदा और धन बढ़ने से भी आता है। अतएव इस कानून के नतीजे वैसे ही दुरुपयोग का अधार बन सकते हैं, जैसे कि अनुसूचित जाति व जनजातियों के उत्पीड़न के साथ दहेज और यौन हिंसा को प्रतिबंधित करने वाले कानून बने हुए हैं। सभी जातियों की आर्थिक रूप से सक्षम हुई महिलाएं भी अब इन कानूनों का दुरुपयोग करते लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में यह कानून समता की बजाय असमानता को ही बढ़ावा देगा। दुनिया के मानव सभ्यता के इतिहास में धर्म, नस्ल, जाति, शिक्षा और आर्थिक हैसियत के आधार पर भेद होता है, जो एक ऐसा कलंक है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसीलिए डॉ भीमराव आंबेडकर ने साफ शब्दों में कहा था कि 'सामाजिक न्याय जातिविहीन सामाजिक संरचना से ही संभव है।' लेकिन आज भारत में ही नहीं पूरी दुनिया में नस्ल, धर्म और जाति गरिमा को उकसाया जाकर उसे मजबूत करने के उपक्रम चल रहे हैं। भारतीय नेता जातीय चेतना उभारकर जातीय दंभ को महिमामंडित करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में संविधान निर्माता के साथ-साथ समाज निर्माण के अग्रदूत डॉ आंबेडकर के साझा विरासत और सामूहिक जीवन षैली के वैचारिक सूत्रों को अमल में लाना सामाजिक समरसता के लिए बेहद जरुरी है। हम समरसता के इन उपायों को जमीन पर उतारने की बजाय असमानता की कानूनी इबारतें लिखकर जातीय भेद को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसा ही उपाय यूजीसी ने इस नए कानून में कर दिया है।देखने में आ रहा है कि भारतीय संवैधानिक संसदीय लोकतंत्र,जातीय लोकतंत्र में बदलता जा रहा है। आज ज्यादातर क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का आधार जातीयता है। भाजपा भी यूजीसी कानून के जरिए इसी रास्ते पर चलती दिखाई दे रही है। ऐसे कानूनी उपायों को बढ़ावा देने से जातिगत दलों का वजूद भारतीय लोकतंत्र में और बढेगा।घ्इस्लाम आधारित दल भी मजबूत होंगे। यह स्थिति देश के भविश्य के लिए खतरनाक तो है ही, संविधान की भावना सामाजिक न्याय के विरुद्ध भी है ? इसीलिए डॉ आंबेडकर ने सिखों और मुसलमानों में जो सामूहिक जीवन-शैली है, उसे अपनाने की सलाह हिंदुओं को दी थी। जिससे समानता, एकजुटता और जातिविहीनता समाज का वैकल्पिक दृश्टिकोण देश के सामने पेश आ सके। दलितों और वंचितों को संविधान के प्रजातांत्रिक मूल्यों से जोड़ने का यह एक कारगर उपाय था। लेकिन दुर्भाग्य से देश में जाति प्रथा की जड़ें कथित कानूनी उपायों से मजबूत की जा रही हैं, जो देश की संप्रभुता एवं अखंडता के लिए घातक हैं।

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

जर्जर हालत से जूझ रहे ग्रामीणों को मिलेगी राहत

गदरपुर (उद संवाददाता)। ग्राम पंचायत सरोवर नगर के खुशालपुर मार्ग की जर्जर हालत से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर आई है। क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पाण्डेय के प्रयासों से लोक निर्माण विभाग ने सरोवर नगर से खुशालपुर को जाने वाले एक किलोमीटर मार्ग के निर्माण को स्वीकृति दे दी है। लंबे समय से लंबित इस मांग के पूरा होने पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। भाजपा के वरिष्ठ समाजसेवी मंजीत सिंह बिट्टा ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं किसान मोर्चा के काशीपुर जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह सोनू और सरोवर नगर के पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र कंबोज उर्फ राजू की मौजूदगी में ग्रामीणों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायक अरविंद पाण्डेय के

विशेष सौजन्य से इस सड़क को मंजूरी मिली है। बीते कई वर्षों से यह मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका था, जिसके कारण खुशालपुर के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बरसात के मौसम में कीचड़ और जलभराव के चलते स्कूली बच्चों और बुजुर्गों का निकलना दूभर हो जाता था।सड़क स्वीकृत होने की खबर मिलते ही गांव में जश्न का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सड़क के बनने से बाजार, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए और कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस मौके पर गुरमीत सिंह, बलकार सिंह, गुरदेव सिंह, मलकीत सिंह, गुरदीप सिंह, हरवंश सिंह, देवी दास और सरजीत सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भतरौंजखान में गांजे के साथ यूएस नगर का युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान भतरौंजखान पुलिस ने आईएमपीसीएल फैक्ट्री मोहान के पास से पास एक युवक को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से 9.358 किलो गांजा बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार भतरौंजखान थानाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व में टीम गस्त पर थी। इस दौरान क्षेत्र के आईएमपीसीएल फैक्ट्री मोहान के पास मोटरसाईकिल संख्या

यूके 18 एम 2075 को रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी पुष्पेन्द्रर पुत्र चन्द्र पाल सिंह, निवासी काली माता मन्दिर बन्नाखेडा, बाजपुर, ऊधमसिंहनगर के कब्जे से 9.358 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत दो लाख 33 हजार 950 रुपये आंकी गई। पुलिस ने मौके पर गांजे को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। टीम में चौकी प्रभारी भौनखाल अपर उपनिरीक्षक मोहन चन्द्रा, कांस्टेबल नीरज पाल, देवेन्द्र प्रताप शामिल रहे।

इस माह से पांच किलो गेहूं और ढाई किलो चावल मिलेगा

देहरादून। सरकारी राशन की दुकानों से राज्य खाद्य योजना के तहत साढ़े नौ लाख परिवारों को इस माह से पांच किलो गेहूं और ढाई किलो चावल मिलेगा। पिछले करीब चार साल से इन परिवारों को मिलने वाले साढ़े सात किलो राशन में गेहूं की जगह चावल दिया जा रहा था। सरकारी राशन की दुकान से राज्य खाद्य योजना के लाभार्थियों को प्रति परिवार साढ़े सात किलो राशन मिलता है, इसमें पांच किलो गेहूं और ढाई किलो चावल मिलता था, लेकिन गेहूं की कमी के चलते पिछले कुछ वर्षों से चावल दिया जा रहा था। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अपर निदेशक पीएस पांगती के मुताबिक, पात्र परिवारों को इस महीने से फिर से पांच किलो गेहूं दिया जा रहा है। इसके अलावा विभाग की अन्य योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस माह देरी से राशन पहुंचा है जिससे राशन कार्ड धारकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग के अपर निदेशक पीएस पांगती के मुताबिक, फोर्टिफाइड चावल मिलने की प्रक्रिया में कुछ देरी की वजह से जिलों में राशन पहुंचने में देरी हुई है। बुधवार तक सभी जिलों में शत प्रतिशत राशन पहुंच जाएगा।

कोटुली में करंट से लाइनमैन की मौत

अल्मोड़ा। धौलादेवी ब्लॉक के कोटुली गांव में ऊर्जा निगम की लापरवाही का मामला सामने आया है। फाल्ट ठीक करते समय शटडाउन लाइन में करंट दौड़ गया। जिससे लाइनमैन की मौत हो गई। घटना के बाद ऊर्जा निगम ने जांच के आदेश दे दिए है। मिली जानकारी अनुसार बीते दिनों जिलेभर में बारिश और बर्फभारी के चलते धौलादेवी में कई गांवों में बिजली आपूर्ति बाधि हो गई हो गई थी। तमाम जगह आए फाल्ट को ठीक करने के लिए कर्मचारी लगाए गए थे। वहीं, 45 वर्षीय लाइनमैन पूरन सिंह, निवासी ग्राम काना जागेश्वर क्षेत्र में बिजली फाल्ट ठीक कर वापस घर लौट गए थे। इसी दौरान कोटूली गांव में विद्युत लाइन में आग लगने की सूचना मिली। समस्या को ठीक करने के लिए पूरन सिंह को दोबारा मौके पर बुलाया गया। लाइन पर कार्य के दौरान उन्हें शटडाउन दिया गया था, लेकिन इसी बीच तोली पावर हाउस से किसी अन्य कर्मचारी द्वारा बिना पुष्टि किए शटडाउन वापस ले लिया गया। शटडाउन हटते ही लाइन में अचानक विद्युत प्रवाह शुरू हो गया, जिससे पूरन सिंह करंट की चपेट में आ गए और तारों से चिपक गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो चुकी थी। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है और ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शटडाउन देने और लेने की प्रक्रिया में भारी लापरवाही बरती गई। ''मामले की जांच के आदेश के साथ ही वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को जांच सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजनों को विभाग की ओर से चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।'' -कन्हैया जी मिश्रा, अधिशासी अधिकारी, ऊर्जा निगम अल्मोड़ा।

गाइड विपिन शर्मा ने बचाई पर्यटक की जान

ऋषिकेश। असली हीरो वर्दी से नहीं, बल्कि इरादों से होते हैं, शिवपुरी के साहसिक प्रशिक्षण केंद्र में तैनात विपिन शर्मा ने इसे साबित कर दिखाया है। उफनती गंगा में जब एक पर्यटक अंतिम सांसे गिन रहा था तो विपिन ने जान की बाजी लगाकर न सिर्फ उसे बाहर निकाला, बल्कि मेडिकल सूझबूझ (सीपीआर) देकर थम रही सांसों को फिर से रफ्तार दी। गाइड का पर्यटक को बचाने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवा कल्याण विभाग देहरादून की ओर से साहसिक प्रशिक्षण केंद्र शिवपुरी में युवाओं को राफ्टिंग का प्रशिक्षण दे रहे मुख्य गाइड विपिन शर्मा ने गंगा में डूब रहे गुरुग्राम के पर्यटक अविनाश की जान बचाई। इसके बाद करीब 15 मिनट तक कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया। इससे पर्यटक करीब 40 से 45 मिनट बाद सामान्य हो गया। पर्यटक की जान बचने पर उनके दोस्तों ने आभार व्यक्त किया।

पेज एक का शेष...

विमान हादसे में महाराष्ट्र के...गरिमामयी पद की शपथ ली। उनके करियर की शुरुआत 1982 में एक सहकारी चीनी कारखाने से हुई थी, जिसके बाद वे 1991 में पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने। पहली बार 1991 में बारामती लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए, लेकिन बाद में अपने चाचा शरद पवार के लिए सीट छोड़ दी। इसके बाद वे बारामती विधानसभा से लगातार सात बार विधायक चुने गए। उनके निधन से महाराष्ट्र ने एक कुशल प्रशासक और जमीनी नेता खो दिया है। **देहरादून**- महाराष्ट्र के बारामती में हुए भीषण विमान हादसे में वहां के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत छह लोगों के असामयिक निधन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनसेवा के प्रति आजीवन समर्पित और लोकप्रिय जननेता अजित पवार का इस तरह जाना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के हितों के लिए सदैव करुणा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे इस हृदयविदारक हादसे में जान गंवाने वाले सभी पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों व समर्थकों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। गौरतलब है कि बारामती में लैंडिंग के दौरान विमान क्रैश होने से यह बड़ा हादसा हुआ, जिसमें अजित पवार के साथ सवार अन्य पांच लोगों की भी जान चली गई। मुख्यमंत्री धामी ने इस दुख की घड़ी में महाराष्ट्र सरकार और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

कैबिनेट की बैठक में ...विभाग में बड़ा बदलाव करते हुए कैबिनेट ने तय किया है कि पांच साल की सेवा पूरी करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ता अब आपसी सहमति से अपने गृह जनपद या मनचाहे जिले में तबादला ले सकेंगे। राजस्व विभाग से जुड़े प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया कि अब सरकार विकास कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण की लंबी प्रक्रिया के बजाय सीधे जमीन मालिकों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि खरीद सकेगी। वहीं, सिडकुल को दी गई पराग फार्म की जमीन के मामले में स्पष्ट किया गया कि यह जमीन बेची नहीं जा सकेगी, हालांकि सिडकुल इसे 'सब लीज' पर दे सकेगा। जनजातीय कल्याण को मजबूती देने के लिए देहरादून और उधमसिंह नगर समेत चार जिलों में जिला जनजातीय कल्याण अधिकारी के पदों को स्वीकृति दी गई है। जल संरक्षण और राजस्व वृद्धि की दिशा में सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए गैर-कृषि कार्यों के लिए भूमिगत जल के व्यावसायिक इस्तेमाल पर शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। अब औद्योगिक इकाइयों और बड़ी आवासीय सोसायटियों को जल मूल्य प्रभार देना होगा। इसके अलावा चिन्यालीसौड़ और गौचर हवाई पट्टी के संयुक्त संचालन के लिए रक्षा मंत्रालय को सौंपने पर सहमति बनी है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड निजी विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत जीआरडी उत्तराखंड विश्वविद्यालय अस्तित्व में आएगा। इसके लिए आगामी बजट सत्र में अध्यादेश लाया जाएगा।

प्राण चाहिए तो ले लो...लड़ाई में उनकी वृद्ध माता की जान पर बन आई है, जिसे वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। ठुकराल ने कहा कि डेढ़ साल पुराने इस प्रकरण में उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना कर ली थी। उस समय उनकी माता ने भी स्वयं मीना शर्मा के घर जाकर माफी मांगी थी और मामले को सुलझाने का प्रयास किया था। ठुकराल ने रुंधे गले से कहा कि उस घटनाक्रम के बाद से उनकी माता का स्वास्थ्य लगातार गिरता गया और शहर ने देखा कि वे कितनी मानसिक प्रताड़ना से गुजरीं। अब डेढ़ साल बाद अचानक इस मामले को फिर से तूल देने से उनकी माता की स्थिति अत्यंत नाजुक हो गई है। उनका बीपी बहुत बढ़ गया और शुगर भी 400 पार हो गयी है, जिसके चलते उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। ठुकराल ने सीधे तौर पर मीना शर्मा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर उन्हें उनके प्राण चाहिए तो वे देने को तैयार हैं, यदि वे राजनीति से हटने को कहें तो वे वह भी कर लेंगे, लेकिन उनकी मां को तिल-तिल मरने के लिए न छोड़ा जाए। आक्रामक रुख अपनाते हुए ठुकराल ने पुलिस- प्रशासन की भूमिका पर भी बड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल पुराने मामले में बिना जांच-पड़ताल के अचानक मुकदमा दर्ज करना और स्वयं उप जिलाधिकारी का कोतवाली पहुंचना यह स्पष्ट करता है कि यह सब एक सोची-समझी रणनीति के तहत किसी के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि ऑडियो की सत्यता का परीक्षण कराया जाना चाहिए। ठुकराल ने दो टूक कहा कि वे जल्द ही इस बात का बड़ा खुलासा करेंगे कि इस खेल के पर्दे के पीछे कौन से चेहरे छिपे हैं। अपने ऊपर लगे पुराने आरोपों का जिक्र करते हुए ठुकराल ने कहा कि उन पर पूर्व में हत्या जैसे झूठे आरोप भी लगाए गए थे, जिनमें 12 साल बाद वे निर्दोष साबित हुए। उन्होंने बताया कि अब तक उन पर 27 मुकदमे दर्ज हुए हैं, लेकिन हर बार वे पाक-साफ होकर निकले हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर वे आज चुनाव न लड़ने का ऐलान कर दें, तो सारे विरोधी तुरंत शांत हो जाएंगे। ठुकराल ने अंत में संकल्प दोहराते हुए कहा कि सत्य कुछ समय के लिए प्रताड़ित तो हो सकता है, लेकिन वह कभी पराजित नहीं होगा। इस लड़ाई को वे कानूनी और राजनैतिक दोनों मोर्चों पर मजबूती से लड़ेंगे। चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने 2027 का चुनाव हर हाल में लड़ेंगे और पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे।

ठुकराल का गनर हटाया...सुगबुगाहट के बीच अचानक फिर से मीना शर्मा ने आडियो प्रकरण पर फिर मोर्चा खोलते हुए बीते दिनों पुलिस को रिमाइंडर तहरीर सौंपी थी, तहरीर के आधार पर कार्रवाई की मांग को लेकर मीना शर्मा ने कोतवाली में समर्थकों के साथ धरना भी दिया जिसके बाद पुलिस ने ठुकराल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और अब ठुकराल का गनर भी बुधवार को हटा दिया है। ठुकराल ने आज प्रेस कांफ्रेस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जानबूझकर उनसे सुरक्षा हटाई गयी है उन्होनें कहा कि वह इन षडयंत्रों से डरने वाले नहं है पुलिस चाहे तो वह अपना शस्त्र लाईसेंस भी सरेंडर करने को तैयार हैं। ठुकराल ने कहा कि मैंने गनर मांगा नहीं था,मुझे खुद दिया गया था।

गोलीकांड में जिला पंचायत...शिकायत की जांच करने पहुंची थी। जांच के दौरान ही दो पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बहस हाथापाई में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अतुल चौहान और भाजयुमो के प्रदेश मंत्री तरुण चौहान के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद अचानक गोलियां चलने लगीं। फायरिंग की चपेट में आने से सचिन चौहान के पेट में गोली लगी, जबकि किशनपाल नामक एक अन्य ग्रामीण भी गोली लगने से घायल हो गया। वारदात के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस ने तत्काल घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि जमीन के विवाद में दो लोगों को गोली लगी है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, घटना के कुछ देर बाद ही आरोपी अतुल चौहान ने एक वीडियो जारी कर अपनी सफाई पेश की। वीडियो में उसने दावा किया कि उसने अपनी जान बचाने के लिए आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) में लाइसेंसी हथियार से गोली चलाई है। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

दुष्कर्म कांड के ..युवक उसे क्षेत्र में इधर-उधर घुमाते रहे और विरोध करने पर चलती गाड़ी में एक युवक ने पिछली सीट पर आकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़िता को सिडकुल क्षेत्र में ही छोड़कर फरार हो गए थे। एसएसपी के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल दबिश दी। पुलिस ने पहले आरोपी राहुल दास पुत्र पवित्र दास, निवासी आदर्श कॉलोनी रुद्रपुर को 27 जनवरी की सुबह गिरफ्तार किया। आरोपी राहुल मूल रूप से पीलीभीत उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई। इसके बाद पुलिस और एसओजी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दूसरे आरोपी फुरकान पुत्र अकबर अली, निवासी भोट, जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश) को भी परशुराम चौक से सिडकुल जाने वाले मार्ग पर रिद्धि सिद्धि फैक्ट्री के पास से दबोच लिया। इस त्वरित सफलता पर एसएसपी ने पुलिस टीम की सराहना की है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक ट्रांजिट कैंप मोहन चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक महेश काण्डपाल, नेहा ध्यानी, प्रकाश चन्द्र, मनोज जलाल, अपर उप निरीक्षक चन्द्र प्रकाश बवाड़ी, कांस्टेबल जगमोहन गौड़, नन्दन राम, और एसओजी के कांस्टेबल भूपेन्द्र समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अब आरोपियों के खिलाफ अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने और अग्रिम कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

देवभूमि की रक्षा हेट...सवाल उठाते हुए कहा कि जबरन धर्मांतरण रोकना, धर्म के नाम पर हो रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बोलना और राज्य की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) को बदलने की साजिशों को नाकाम करना यदि गलत है, तो वे इसे बार-बार दोहराएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कड़े लहजे में कहा कि वे राज्य में लव जिहाद, थूक जिहाद और लैंड जिहाद जैसी प्रवृत्तियों को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का यह नैतिक दायित्व है कि वह आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित और समृद्ध उत्तराखंड सौंप कर जाए। इस संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार अपनी पूरी ताकत के साथ काम कर रही है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर फैल रहे भ्रम को दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस समेत अन्य विरोधी तत्वों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने उन दावों को गलत बताया जिसमें कहा जा रहा था कि 'लिव-इन' पंजीकरण के बाद बाहरी व्यक्ति राज्य का निवासी बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'लिव-इन' संबंधों का पंजीकरण केवल सुरक्षा और राज्यहित में अनिवार्य किया गया है, ताकि कोई भी अपनी पहचान छिपाकर किसी को धोखा न दे सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए बेहद कड़े प्रावधान लागू किए गए हैं और राज्य की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

औद्योगिक जहर के ...हैं। इसलिए एक सोची समझी रणनीति के तहत सेंचुरी पेपर मिल का जहरीला कचरा उपरोक्त वन भूमि पर डंप करके अतिक्रमण की नीव रखी जा रही है। मजे की बात तो यह है कि भू माफियाओं की इस करतूत पर अब तक ना तो टांडा रेंज के जिम्मेदार वन अधिकारियों की नजर पड़ सकी है और ना ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की, जबकि उपरोक्त वन भूमि तराई केन्द्रीय वन प्रभाग ऐन नाक के नीचे है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

स्वर्गीय स्वर्णा को सैकड़ों लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

खटीमा। प्रतिष्ठित व्यवसायी देवेंद्र कुमार जुनेजा की पूजनीय माता स्वर्गीय श्रीमती स्वर्णा रानी जुनेजा की रस्म पगड़ी कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकाकुल माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने स्वर्गीय जुनेजा के प्रति लोगों के सम्मान और अपनत्व को दर्शाया।श्रद्धांजलि देने वालों में नगरपालिका अध्यक्ष रामू जोशी, किच्छा विधायक तिलक राज बेहड और रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा आदि ने स्वर्गीय स्वर्णा जुनेजा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों और गणमान्य नागरिकों ने भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल बनाए रखने की कामना की। श्रंद्धाजलि सभा में दिल्ली से आए भजन गायक सुभाष अरोड़ा, और उनके साथियों ने भजनों और बनबसा के विख्यात युवा भजन गायक कपिल भार्गव ने राधा नाम की धुन से सबको भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम

के दौरान वक्ताओं ने स्वर्गीय श्रीमती स्वर्णा रानी जुनेजा के व्यक्तित्व और उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वह सरल स्वभाव और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं, जिनका जीवन परिवार और समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा। रस्म पगड़ी के अवसर पर पूरे वातावरण में शोक और श्रद्धा का भाव व्याप्त रहा। श्रंद्धाजलि अर्पित करने वालों में राजेश छाबड़ा,रमेश ढींगरा (बॉबी), मनोज वाधवा, रुद्रपुर से राजेश डाबर , किच्छा से राजेश पाहवा,दिनेश सुनेजा (राजू) अमन अरोड़ा, सुभाष बतरा, ईश्वर बंसल, पवन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल,अनिल बतरा सहित बाजपुर,काशीपुर, बरेली, दिल्ली, नैनीताल इत्यादि स्थानों से सैकड़ो लोगो शामिल थे। उल्लेखनीय है कि देवेंद्र जुनेजा की पत्नी श्रीमति अनिता जुनेजा भी पिछले छह माह से भी अधिक समय से फेफड़े में संक्रमण के चलते वर्तमान में हैदराबाद में अपना इलाज करवा वहा स्वस्थ लाभ ले रही है। ऐसे में परिवार दो तरफा परेशानियां झेल रहा है ।

विश्वास और धैर्य ही विजेता बनाता है- डा. केसरवानी

पंतनगर। वर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित 50वीं अंतर विश्वविद्यालय कमलनयन बजाज वक्तृत्व प्रतियोगिता में पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के छात्र स्निग्ध अवस्थी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वश्रेष्ठ वक्ता पुरस्कार का सम्मान प्राप्त किया। इस स्वर्ण जयंती संस्करण में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभाशाली वक्ताओं ने भाग लिया। स्निग्ध अवस्थी ने अपने प्रभावशाली विचारों, आत्मविश्वास पूर्ण प्रस्तुति और स्पष्ट अभिव्यक्ति से सभी को प्रभावित किया। यह प्रतियोगिता युवाओं को सामाजिक एवं बौद्धिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डा. ए. एस. जीना तथा स्टाफ काउंसलर डा. अमित केसरवानी द्वारा समय-समय पर मिले प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और समर्थन ने

स्निग्ध अवस्थी को इस स्तर तक पहुँचने में प्रेरित किया। डा. केसरवानी ने निरंतर प्रयास और कुशल मार्गदर्शन को ही सफलता की एकमात्र कुंजी बताया। स्निग्ध अवस्थी की इस उपलब्धि से न केवल उनकी प्रतिभा उजागर हुई है, बल्कि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि के लिए सुन्दर कांड पाठ का क्रम जारी

किच्छा। पंतनगर-किच्छा विधानसभा क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी द्वारा 108 सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ के संकल्प के क्रम में 27 जनवरी, मंगलवार को जवाहरनगर स्थित शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ का एक और भव्य आयोजन संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्रित हुए और विधिवत सुंदरकांड पाठ में सहभागिता कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं के सामूहिक पाठ और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। राम नाम के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा, जिससे आसपास का क्षेत्र भी आध्यात्मिक ऊर्जा

से सराबोर नजर आया। आयोजकों के अनुसार यह धार्मिक क्रम आगे भी लगातार जारी रहेगा और तय कार्यक्रम के अनुसार पंतनगरखकिच्छा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस पहल को क्षेत्रवासियों द्वारा सकारात्मक रूप में लिया जा रहा है और लोग इसे सामाजिक एकता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने वाला प्रयास बता रहे हैं।

खटीमा के एनसीसी कैडेट प्रिंस सिंह राणा को मिला रक्षा मंत्री पदक, क्षेत्र में खुशी की लहर

खटीमा। उधम सिंह नगर जनपद के खटीमा क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि रतनपुर निवासी एनसीसी कैडेट प्रिंस सिंह राणा को नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा रक्षा मंत्री पदक से सम्मानित किया गया।कैडेट प्रिंस सिंह राणा ने अखिल भारतीय वायु सेना एनसीसी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फायरिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा ड्रोन फ्लाइंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर देशभर में क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनकी असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और तकनीकी दक्षता को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। प्रिंस सिंह राणा, श्री

विपिन सिंह राणा के पुत्र हैं और वर्तमान में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से बी.एससी. एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर 1 यूके एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, पंतनगर के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक रावत, एनसीसी अधिकारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट अजीत सिंह, फर्स्ट ऑफिसर नरेंद्र सिंह रौतेला सहित खटीमा के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने कैडेट को शुभकामनाएं और बधाई दी। उल्लेखनीय है कि सम्मान समारोह में कैडेट प्रिंस सिंह राणा के साथ स्कॉर्ट अधिकारी के रूप में फर्स्ट ऑफिसर नरेंद्र सिंह रौतेला उपस्थित रहे, जो क्षेत्र के लिए एक और गर्व का विषय रहा। खटीमा का यह होनहार कैडेट आज युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।

नशीले इंजेक्शन व अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस टीम ने दोबालग अलग मामलों में नशीले इंजेक्शनों व अवैध शराब के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने 50 अदद अवैध नशीले इंजेक्शन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा चौकिंग के दौरान चौकी मण्डी क्षेत्र हल्द्वानी से एक व्यक्ति को कुल 50 अदद नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता सोनू सागर पुत्र विजय सागर निवासी वार्ड 27 गांधीनगर मंगलपड़ाव बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं कोतवाली पुलिस ने 152 पाउच देशी मसालेदार शराब के साथ एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है।

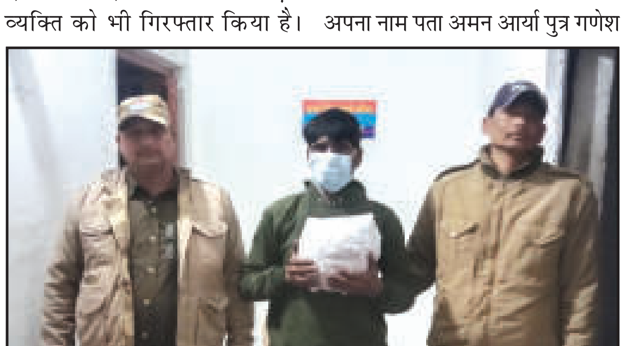

पुलिस द्वारा चौकिंग के दौरान स्व. खुशीराम पार्क निकट तिकोनिया चौराहा चौकी भोटियापड़ाव क्षेत्र से एक व्यक्ति को 152 पाउच मसालेदार देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उसने अपना नाम पता अमन आर्या पुत्र गणेश राम निवासी हिम्मतपुर मोटा हल्दु अर्जुनपुर थाना लालकुआं बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

आनंद खेड़ा में किया टाइल्स मार्ग का शिलान्यास

रूद्रपुर। ग्राम आनंद खेड़ा में विकास कार्यों को गति देते हुए टाइल्स मार्ग का विधिवत शिलान्यास किया गया। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुखदेव हाल्दार ने जिला पंचायत सदस्य सुषमा हालदार की निधि से स्वीकृत इस मार्ग का फीता काटकर शिलान्यास किया। इस दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों ने पूर्व विधायक का फूल-मालाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार जताया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के लिए वे सदैव तत्पर हैं। उन्होंने जिला पंचायत निधि से स्वीकृत इस सड़क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके

निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और जलभराव जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनार्दन, मलंगी नारायण गोसाई, अजीत मंडल, ज्योतिष हालदार, नारायण हालदार, कृष्ण पत्र विश्वास, खिटिश हालदार, प्रदीप हालदार, अतुल भागीरथ हालदार, बापी विश्वास, शेखर मंडल, अंजन कविराज, विमल मंडल, सुनील हालदार, सुशील मंडल और भोला हालदार समेत कई लोग मौजूद रहे।